चौथा चरण: फॉलो-अप गतिविधि

- अगर ट्रिगर प्रभावशाली होता है, तो समुदाय खुले में शौच की कुप्रथा को समाप्त करने का निर्णय लेते हैं।
- इसी बीच सुगमकर्ता निगरानी समिति के साथ मिलकर गाँव में सुबह और शाम फॉलोअप गतिविधि करते हैं।
- जो लोग खुले में शौच कर रहे होते हैं उन्हें टट्टी पर मिट्टी डालने के लिए प्रेरित किया जाता है।
- कुछ दिनों के लगातार फॉलोअप से लोग अपने घरो में स्वंय से शौचालय निर्माण व उपयोग का काम शुरू करते है।
- ग्रामीणों को शौचालय के तकनीक एवं रख–रखाव की पूर्ण जानकारी दी जाती है।

ओ.डी.एफ (ODF) प्लस

ग्राम पंचायत के ओ.डी.एफ. होने के बाद की गतिविधियां –

- उचित तकनीक के आधार पर गांव के ठोस एवं तरल कचरा (संसाधन) का निपटान करना।
- शौचालय के टैंक से निकलने वाले मलयुक्त कचरा का सुरक्षित निपटान करना तथा सेप्टिक टैंक से निकलने वाले काले पानी (ब्लैक वाटर) का निपटान।
- माहवारी स्वच्छता प्रबन्धन (Menstrual Hygiene Management)।

ओ.डी.एफ. स्थायित्व के लिए गतिविधियां

गांव, ग्राम पंचायत, ब्लॉक एवं जिले में ओ.डी.एफ स्थिति की निरन्तरता बनाये रखने के लिए समय–समय पर गतिविधियों का आयोजन आवश्यक है। जिनके अंतर्गत निम्न गतिविधियां की जाती हैं–

- समुदाय के द्वारा शौचालय का उपयोग एवं सुरक्षित व स्वच्छतापूर्ण व्यवहार को निरन्तर सुनिश्चित करना।
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत निर्मित व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक संसाधन एवं ढांचे (व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय, नालियां, सोख्ता गड्ढ़े, तालाब, व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक स्तर पर निर्मित शौचालय का रेट्रोफिटिंग) को निरन्तर क्रियाशील बनाये रखना।
- बने हुए शौचालयों, अन्य ढांचों के रख–रखाव प्रबन्धन के लिए विकेन्द्रीकृत व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- निर्मित शौचालयों के तकनीकी सुधार कर बेहतर बनाना।
- सेप्टिक टैंक से निकलने वाले मलयुक्त कचरा का प्रबंधन।
- पाँच महत्वपूर्ण समय पर पानी और साबुन से हाथ धोना।
- बच्चों के मल का सुरक्षित निपटान।

प्रतिभागियों को बतायें की निम्न मुख्य समय पर साबुन से हाथ धोना आवश्यक है

समुदाय आधारित स्वच्छता कार्यक्रम

Community Led Approaches to Sanitation (CLAS)

स्वच्छता के प्रति जन समुदाय को संवेदनशील एवं उत्तरदायी बनाने एवं उसके व्यवहार में स्थायी परिवर्तन लाने के लिए समुदाय आधारित स्वच्छता (CLAS) एक विधि है। इसमें समुदाय की सहभागिता से स्वच्छता संबंधी समस्याओं का आकलन करते हैं और समुदाय को इसके निराकरण का निर्णय लेने में मदद करते हैं। यह संपूर्ण समुदाय के सहज और लंबे समय तक चलने वाले व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य है लोगों के आत्म सम्मान और निजता को बकरार रखते हुये समुदाय को खुले में शौच से मुक्त करना।

वॉटर फॉर पीपल इंडिया
C-2/51, ग्राउंड फ्लोर
सफदरजंग डेवलपमेंटल एरिया
नयी दिल्ली– 1100016, इंडिया

water for people
EVERYONE • FOREVER

ONE DROP

हमें स्वच्छता की आवश्यकता क्यों है?

- लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए
- कुपोषण को कम करने के लिए
- महिलाओं के निजता, सुरक्षा, सुविधा को बनाए रखने के लिए
- बीमारियों के बोझ से बचने के लिए
- बाल मृत्यु दर कम करने के लिए
- गरीबी के कुचक्र को खत्म करने के लिए

सी.एल.ए.एस. की प्रक्रिया

सी.एल.ए.एस. (CLAS) की प्रक्रिया विभिन्न चरणों में सम्पन्न की जाती है जो निमन्वत हैं।

प्रथम चरण - प्री ट्रिगरिंग

इसमें गांव एवं समुदाय के बारे में संक्षिप्त जानकारी ली जाती है जिससे समुदाय के बारे में समझ विकसित हो सके और समुदाय को ट्रिगर करने में सहायक हो। इसके तहत समुदाय के रहने के तरीके, मुख्य व्यवसाय, शिक्षा का स्तर, सुविधाओं की उपलब्धता, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति इत्यादि के बारे में जाना जाता है। प्री–ट्रिगरिंग के समय केवल एक से दो व्यक्ति ही गाँव का भ्रमण कर प्रभावी व्यक्तियों से मुलाकात कर जानकारी प्राप्त करते है।

द्वितीय चरण - ट्रिगरिंग

किसी व्यक्ति या समुदाय को किसी परिस्थिति या अवधारणा के बारे में सोचने और कार्यवाही करने के लिए बाध्य कर देना अर्थात् उसके व्यवहार में परिवर्तन करने के लिए प्रेरित कर देना ही ट्रिगर कहलाता है। ट्रिगर होने और अपने व्यवहार में परिवर्तन करने के पीछे कुछ भावनाएं जुड़ी होती है जिससे व्यक्ति या समुदाय स्वंय के व्यवहार परिवर्तन के लिए तैयार होता है –

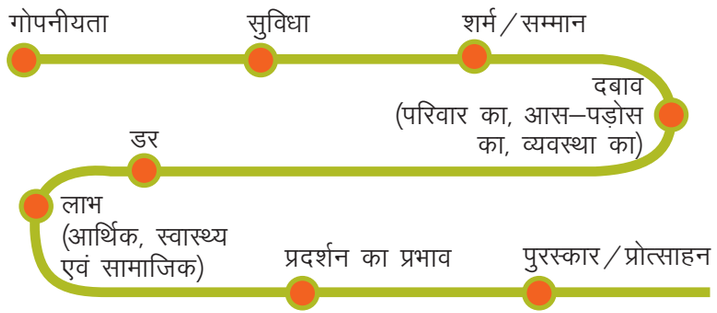

ट्रिगरिंग गतिविधि करते समय कोशिश होनी चाहिए कि अधिक से अधिक संख्या में लोग उपस्थित रहे। समुदाय का अधिक से अधिक प्रतिनिधित्व संभव हो। समुदाय के साथ इस बैठक में लोगों के साथ बातचीत करते हुये कुछ टूल्स के माध्यम से गाँव की स्वच्छता की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करवाया जाता है। समुदाय चिन्तन की प्रक्रिया से गुजरता है और ट्रिगर हो कर खुले में शौच से मुक्ति के लिए और अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन के लिए तैयार होता है।

तीसरा चरण: निगरानी समिति/स्वच्छता दल का गठन

जब समुदाय अपनी स्वच्छता की वर्तमान स्थिति में सुधार लाने के लिए और अपने व्यवहार परिवर्तन के लिए तैयार हो जाता है उस समय सहजकर्ता प्रश्न करता है कि कैसे और कब तक आप लोग खुले में शौच की कुप्रथा से मुक्त होंगे? इस कार्य को सफल करने में कौन–कौन आपका सहयोग करेगा?

तब स्वाभाविक नेताओं का उदय होता है और वे पूरे समुदाय को खुले में शौच की कुप्रथा से मुक्त करने के लिए सक्रिय होते है और ऐसे ही स्वाभाविक नेताओं का दल तैयार होता है, जिसमें पुरूष, महिलायें, युवा और बच्चे सभी होते हैं, जो गांव को खुले में शौचमुक्त करने की रणनीति बनाते हैं–

- सबसे पहले स्वंय का व्यवहार परिवर्तन करते है और खुले में शौच करना बन्द करते हैं।
- गांव में खुले में शौच मुक्त होने की कार्य योजना बनाते हैं।
- गांव में खुले में शौच मुक्ति के लिए प्रचार–प्रसार करते हैं।
- शौचालय का निर्माण कार्य सभी की सहभागिता से होता है।
- समुदाय की निगरानी व्यवस्था करते हैं।
- समुदाय के प्रयासों के द्वारा स्वच्छता विकास या स्वच्छता की सीढ़ी पर चढ़ते हुये समुदाय खुले में शौच मुक्त होता है और समुदाय खुले में शौच मुक्ति का उत्सव मनाता है। समुदाय तब योजना बनाकर गांव में स्वच्छता के अन्य मापदण्डों को सामूहिक प्रयासों के द्वारा प्राप्त करता है।